झ. क्या करना चाहिये जब पता चले कि कोई इन्हेलैन्टस का नशा कर रहा है?

- शांत रहे
- नशा करने वाले से बहस न करें क्योंकि वह उत्तेजित हो अपना संतुलन खो सकता है और मार पीट कर सकता है।
- बेहोश हो जाने पर मदद ले, डाक्टर को सम्पर्क करें।
- होश में है तो उसे हवादार और शांत कमरे में रखे।

याद रखें !

इसका इलाज संम्भव है।
शरीर और दिमाग को क्षति पहुंचने से पहले इसका इलाज करवाऐं।

अधिक जानकारी के लिए इस पते पर संपर्क करें

राष्ट्रीय व्यसन उपचार केन्द्र,
अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान,
कमला नेहरू नगर, हापुड़ रोड़,
गाजियाबद (उ0प्र0)

दूरभाषः (95120)-2788974-977

इन्हेलैन्टस (वाष्पशील नशे)- कुछ तथ्य

संपादन :

डॉ सोनाली झाँजी, सहायक आचार्य, एम्स
अनिता चोपड़ा, विज्ञानिक, एम्स

प्रकाशन संस्थाः

राष्ट्रीय व्यसन उपचार केन्द्र, अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान, कमला नेहरू नगर, हापुड़ रोड़, गाजियाबाद (उ0प्र0)
दूरभाषः (95120)-2788974-977

(2007)

क. इन्हेलैन्टस (वाष्पशील नशे)

यह द्रव्य अथवा पदार्थ है जो कि वाष्प/भाप छोड़ते है, जिनका कश भरने से या सांस में खींचने से मनोदशा पर असर व परिवर्तन होता है।

इन इन्हेलैन्टस में ऐसी वस्तुएं शामिल हैं जो घर, बाजार, कार्यस्थलों पर आसानी से मिल जाती हैं। इनका प्रयोग इसलिए किया जाता है ताकि एक नशे की स्थिति उत्पन्न हो जाए। उदाहरण के रूप में टाईपराईटर इन्क उतारनें का द्रव्य, सरेस (गोंद चिपकाने के लिए), नाखुन पोलिश उतारनें का द्रव्य, बालों का स्प्रे, पैट्रोल, स्प्रे पैंट आदि

ख. क्या यह इन्हेलैन्टस नशेदार होते है?

हाँ यह वस्तुएं नशेदार हैं और यह नशा जहरीला और खतरनाक है।

ग. इस नशे से ग्रस्त कौन व्यक्ति हो सकता है?

आमतौर पर पाया जाता है कि यह नशे किशोरावस्था , युवास्था में ज्यादा प्रचलित हैं। यह नशे आम घरेलू वस्तुएं हैं और सस्ती हैं इसलिए सड़कों पर रहने वाले बच्चों और विधार्थियों में भी इसका प्रयोग ज्यादा पाया जाता है।

घ. इनका इस्तेमाल कैसे किया जाता है ?

इन वस्तुओं को :

- मुँह में छिडकने से
- द्रव्य को किसी रूमाल ,कपड़े, थैली, ड़िब्बे में ड़ालकर नाक या मुँह से सांस अन्दर खीचनें से इस्तेमाल किया जाता है

ड. इन्हेलैन्टस का नशा क्यो किया जाता है ?

इन्हेलैन्टस का नशा इसलिए किया जाता है क्योंकि व्यक्ति को आनंद का आभास होता है, और दिमाग में हलकापन महसूस हो सकता है। आदमी बेहोश या सुन जैसी स्थिती में भी जा सकता है।

च. इन्हेलैन्टस के नशे के लक्षण

नीचे दिये गए सब अथवा कुछ चिन्ह का होना यह बताता है कि शायद व्यक्ति इस प्रकार के नशे का इस्तेमाल कर रहा है:–

- सुर्ख व लाल आंखे
- कपड़ों से रसायन पदार्थ की बदबू आना
- चेहरे, उंगली, कपड़ों आदि पर पैंट लगा होना
- नशे में या स्तब्ध दिखाई देना
- अस्पष्ट उच्चारण
- बैचेनी, चिड़चिड़ापन, चिंतित रहना
- उतेजनशीलता
- जी मिचलाना, भूख कम होना
- सांस में दुर्गन्ध
- रुमाल, कपडे, रसायन पदार्थ के खाली बोतल या ड़िब्बे का बिस्तरे के नीचे, कमरे में , अन्य जगह पाया जाना
- स्कूल की पढाई में कमजोर हो जाना

छ. क्या इन्हेलैन्टस शरीर और दिमाग को हानि पहुंचा सकते हैं ?

इस नशे का प्रयोग गम्भीर क्षति पहुंचा सकता है जैसे :–

- जो पहली बार यह नशा करते है, उनके हृदय की धड़कन तेज अथवा ऊचीं–नीची होने से अचानक देहान्त हो सकता है।
- जब यह नशा थैली में डालकर सांस खींचने से किया जाता है तो घुटन से मौत होने की आशंका बढ जाती है।
- इसके सेवन से दिमाग और नस, धमनी में क्षति पहुंच सकती है।
- लम्बे समय तक इन्हेलैन्टस का इस्तेमाल करने से हृदय, फेफडे, जिगर और गुर्दे को क्षति पहुंचती हैए जो अपरिवर्तनीय भी हो सकती है।

ज. क्या इस नशे का त्याग संभव है और इसका इलाज क्या है ?

इस नशे की लत से छुटकारा पाया जा सकता है। नशे का इलाज व्यसन उपचार केन्द्रों में किया जाता है।

इलाज में शामिल है परामर्श व ड़ाक्टरी सलाह और ग्रस्त व्यक्ति का नशे से दूर रहना। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होना जरूरी नहीं है। परन्तू सम्पूर्णतया ठीक होने तक व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल व ड़ाक्टर से सम्पर्क रखना आवश्यक है।

आमतौर पर समाज, माता–पिता, स्कूल अध्यापक को इस प्रकार के नशे की जानकारी कम है, इसलिए यह जरूरी है कि इस नशे का इस्तेमाल व उसके असर की जानकारी दी जाए। परिवारजनों के लिए आवश्यक है कि इन पदार्थों को घर में सावधानी से रखें ,परिवार के सदस्यों को इसके असर,दुष्प्रभावों के बारें में बताएं और एक नशा रहित जीवन व रहन–सहन को बढावा दें।